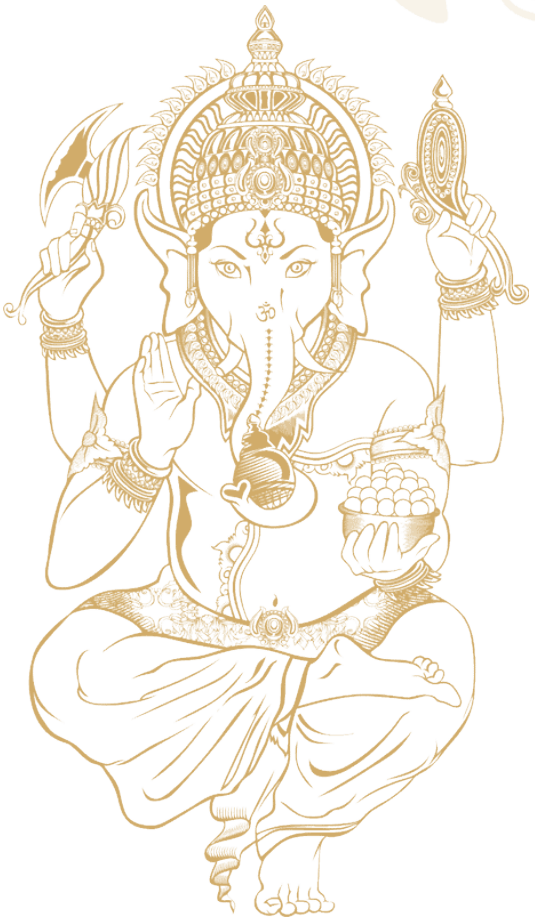

Sryansh

26 Nov 2024

02:04 PM

Hardwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121488507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/11/2024**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**14:04:00 घंटे**
इष्ट	18:00:04 घटी
स्थान	**Hardwar**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:46:36 घंटे
वेलान्तर	00:12:38 घंटे
साम्पातिक काल	18:09:40 घंटे
सूर्योदय	06:51:58 घंटे
सूर्यास्त	17:17:41 घंटे
दिनमान	10:25:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:22:20 वृश्चिक
लग्न के अंश	09:18:27 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	प्रीति
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	09:18:27	523:55:02	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	10:22:20	01:00:44	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	16:12:46	11:46:07	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			कर्क	11:14:21	00:08:02	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध	व		वृश्चि	28:27:45	00:02:24	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु	व		वृष	23:35:53	00:07:47	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	23:04:41	01:10:31	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			कुंभ	18:35:25	00:01:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		मीन	10:48:02	00:00:43	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
केतु	व		कन्या	10:48:02	00:00:43	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	00:39:14	00:02:27	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	---
नेप	व		मीन	02:57:54	00:00:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	05:55:17	00:01:14	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			धनु	08:00:50	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:16

लग्न-चलित

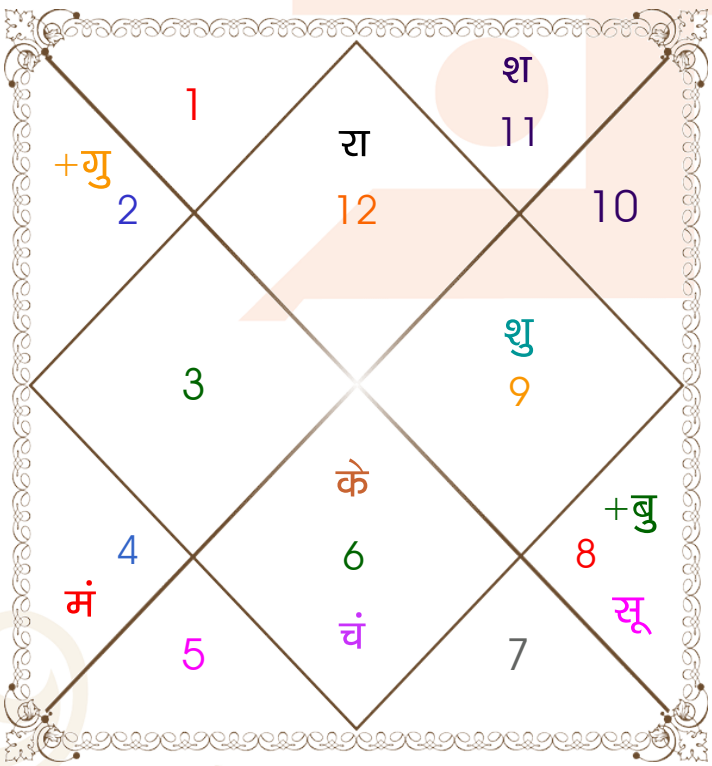

चन्द्र कुंडली

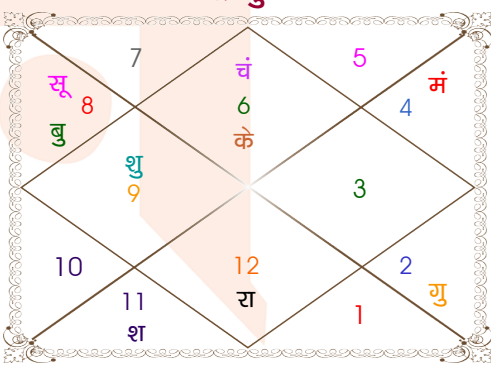

नवमांश कुंडली

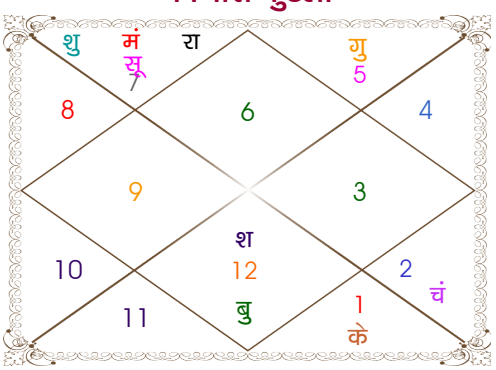

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 4 मास 2 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
26/11/2024		31/03/2030		30/03/2037		31/03/2055		31/03/2071	
31/03/2030		30/03/2037		31/03/2055		31/03/2071		31/03/2090	
	00/00/0000	मंगल	27/08/2030	राहु	12/12/2039	गुरु	18/05/2057	शनि	03/04/2074
	00/00/0000	राहु	14/09/2031	गुरु	06/05/2042	शनि	29/11/2059	बुध	11/12/2076
	00/00/0000	गुरु	20/08/2032	शनि	12/03/2045	बुध	06/03/2062	केतु	20/01/2078
	26/11/2024	शनि	29/09/2033	बुध	30/09/2047	केतु	10/02/2063	शुक्र	21/03/2081
शनि	29/01/2026	बुध	26/09/2034	केतु	17/10/2048	शुक्र	11/10/2065	सूर्य	03/03/2082
बुध	30/06/2027	केतु	22/02/2035	शुक्र	18/10/2051	सूर्य	30/07/2066	चंद्र	03/10/2083
केतु	29/01/2028	शुक्र	23/04/2036	सूर्य	11/09/2052	चंद्र	29/11/2067	मंगल	10/11/2084
शुक्र	29/09/2029	सूर्य	29/08/2036	चंद्र	12/03/2054	मंगल	04/11/2068	राहु	17/09/2087
सूर्य	31/03/2030	चंद्र	30/03/2037	मंगल	31/03/2055	राहु	31/03/2071	गुरु	31/03/2090

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
31/03/2090		01/04/2107		01/04/2114		01/04/2134		31/03/2140	
01/04/2107		01/04/2114		01/04/2134		31/03/2140		00/00/0000	
बुध	26/08/2092	केतु	28/08/2107	शुक्र	31/07/2117	सूर्य	19/07/2134	चंद्र	30/01/2141
केतु	23/08/2093	शुक्र	27/10/2108	सूर्य	31/07/2118	चंद्र	18/01/2135	मंगल	31/08/2141
शुक्र	23/06/2096	सूर्य	04/03/2109	चंद्र	31/03/2120	मंगल	26/05/2135	राहु	01/03/2143
सूर्य	30/04/2097	चंद्र	03/10/2109	मंगल	31/05/2121	राहु	18/04/2136	गुरु	30/06/2144
चंद्र	29/09/2098	मंगल	01/03/2110	राहु	31/05/2124	गुरु	05/02/2137	शनि	27/11/2144
मंगल	26/09/2099	राहु	20/03/2111	गुरु	30/01/2127	शनि	18/01/2138		00/00/0000
राहु	16/04/2102	गुरु	24/02/2112	शनि	01/04/2130	बुध	24/11/2138		00/00/0000
गुरु	22/07/2104	शनि	03/04/2113	बुध	30/01/2133	केतु	01/04/2139		00/00/0000
शनि	01/04/2107	बुध	01/04/2114	केतु	01/04/2134	शुक्र	31/03/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।